किस्मत का मारा हूँ | By Hari Sharma

किस्मत का मारा हूँ सांवरे
प्यारा की थोड़ी सी झलक दिखा मेरे श्याम

सब झूठे रिश्तों को तछोड़ के
तेरी भक्ति की अलख जगा मेरे श्याम

मेरी ज़िन्दगी में श्याम धोखे ही धोखे हैं
बर्बादियों के पल आते ही रहते हैं
अब हार के तेरी शरण मैं लेने आया हूँ
आज मुझे भी थाम

सब जान कर भी तू चुपचाप बैठा है
कह दे कि तेरा ये इन्साफ कैसा है
अब आज ना जाऊं दाल दे मेरी झोली में
भीख दया कि शयम

अब तो सिवा तेरे कोई चाह नहीं मुझको
दुनिया कि अब कुछ भी परवाह नहीं मुझको
अब चौखट पर तेरी हर्ष कि बीते रे कान्हा
जीवन कि ये शाम

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%bf%e0%a4%b8%e0%a5%8d%e0%a4%ae%e0%a4%a4-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%82%e0%a4%81-by-hari-sharma/